



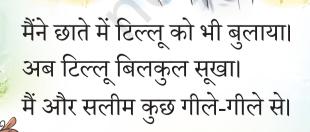
सबसे बड़ा छाता



बारिश! झमा-झम बारिश! लगातार बारिश! छत पर झमा-झम। घर में टप-टप। और आँगन में... छप-छपाक। गीला हो गया बिस्तर, अम्मा की साड़ी, और दादी का कंबला

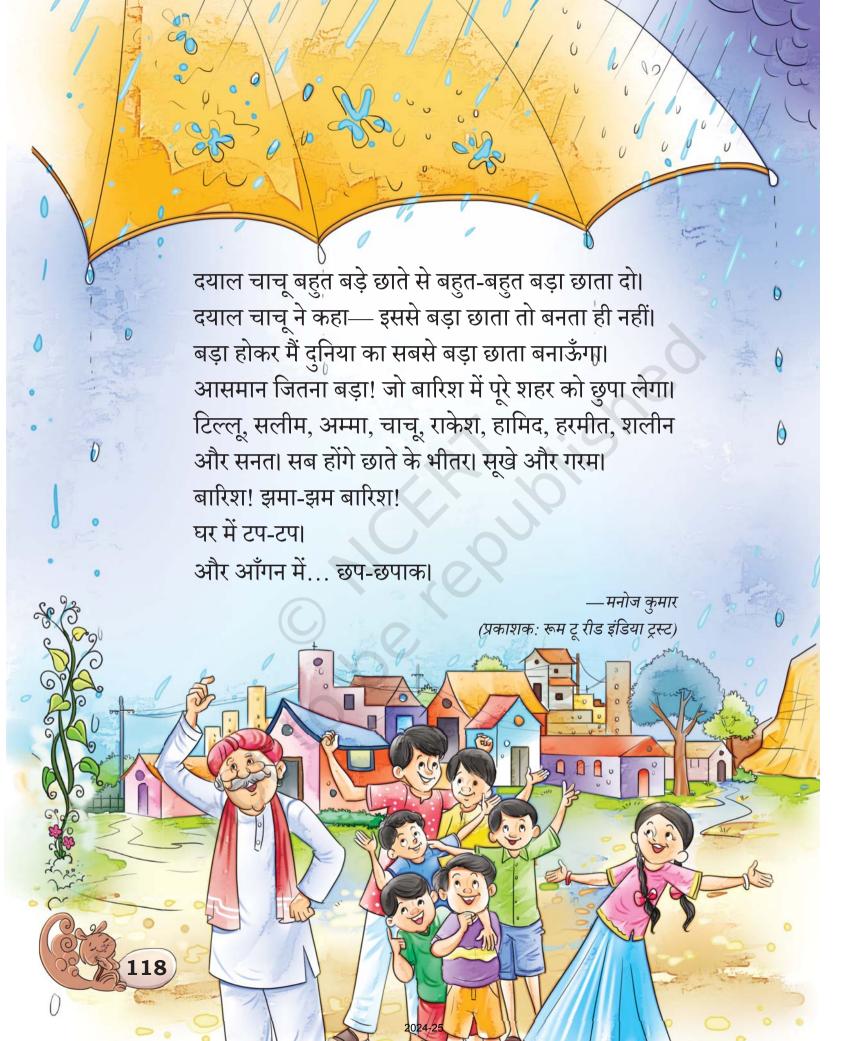
गीला और सर्द हो गया पूरा शहर। लेकिन मैं, मेरे पास है छाता। छाते के भीतर मैं और सलीम। बिलकुल सूखे और/ग्रम।

la chiange



116







- 1.) बारिश से जुड़े अपने अनुभव बताइए।
- 2. आप बड़े होकर क्या बनाना चाहेंगे?
- 3. क्या सचमुच कोई इतना बड़ा छाता बना सकता है कि पूरी दुनिया के बच्चे उसमें आ जाएँ?
- 4. छाते में ऐसा क्या होता है कि हम बारिश में भी गीले नहीं होते?

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए-

- 1. हर बार छाता क्यों छोटा पड़ता था?
- 2. हर बार बड़ा छाता कौन देते थे?
- 3. इस कहानी में आए सभी बच्चों के नाम लिखिए।
- 4. बारिश में क्या-क्या गीला हो गया?

खेल-खेल में

वर्षा की बूँदें धरती पर गिरती हैं तो कैसी ध्विन सुनाई देती है? इस तरह करके देखिए–।

- 1. आँखें बंद कीजिए और बाईं हथेली खोलकर रखिए।
- 2. दाएँ हाथ की तर्जनी से बाईं हथेली पर बजाकर देखिए।
- 3. फिर से दो उँगलियों से बजाकर देखिए।
- 4. फिर से तीन उँगलियों से बजाकर देखिए।
- 5. फिर से चार उँगलियों से बजाकर देखिए।





हर बार बड़ा छाता छोटा पड़ जाता था।

बड़ा और छोटा इन दोनों शब्दों के अर्थ एक-दूसरे से विपरीत हैं। जैसे दिन और रात।

नीचे दी गई तालिका से दिए गए शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द ढूँढ़कर

लिखए-

नी	इ	दो	दि	न	सो
से	चे	उ	जा	ला	ना
अ	च	बा	एँ	पा	जै
सो	ना	ल	सू	खा	स
बा	ह	₹	अ	ने	क



ऊपर	 दाएँ	•••••
अंदर	 रात	•••••
एक	दूर	•••••
अँधेग	 गीला	•••••

पढ़िए, समझिए और लिखिए

- 1. दिन में सूरज, "में तारे दिखते हैं।
- 2. बोलें, झूठ नहीं।
- 3. ऊपर आकाश और "" धरती है।



नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से पाँच से छह वाक्य लिखिए -

बारिश झम-झम छाता मित्र सहायता दोपहर घर स्कूल छुट्टी

मैं स्कूल	ा से घर अ	ा रही थी / रह	ा था। '''''	••••••	•••••	•••••
		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •				
• • • • • • • • •	•••••	••••			•••••	
• • • • • • • • •	•••••	•••••	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		•••••	
• • • • • • • • •	•••••	••••••				
• • • • • • • • •	•••••	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •				•••••



तोते का प्यारा खाना है, लेकिन मेरी सी-सी है, इसका उत्तर दे सकते हो, यह तो बात ज़रा-सी है। चलती ही रहती है हरदम, दिन हो, चाहे रात, टिक-टिक-टिक बोला करती, कहती है कुछ बात।

— श्रीप्रसाद